ISSN 0973-2616

सीएसआईआर समाचार

प्रगति, विकास और आशा

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद का गृह बुलेटिन

वर्ष 3 अंक 11 | website: http://www.csir.res.in | नवम्बर 2015

इस अंक में

161 सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिकों ने गैस संवेदक का प्रोटोटाइप तैयार किया

163 सीएसआईआर-सीबीआरआई द्वारा श्रीनगर, उत्तराखंड का सिसमिक माइक्रोजोनेशन

165 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में हिन्दी माह/पखवाड़ा/सप्ताह/दिवस आयोजन
- सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली
- सीएसआईआर-निस्केयर, नई दिल्ली
- सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल
- सीएसआईआर-सीरी, पिलानी
- सीएसआईआर-सीईसीआरआई, कारैकुडी
- सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- सीएसआईआर-केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर
- सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम
- सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद
- सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली
- सीएसआईआर-एनएएल, बेंगलुरु
- सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता

सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिकों ने गैस संवेदक का प्रोटोटाइप तैयार किया

गैस संवेदक कैरैक्टराइजेशन सेटअप

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी ने भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (DeitY) द्वारा संस्थान को सौंपी अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना 'डवलपमेंट ऑफ मेम्स बेस्ड इन्टीग्रेटेड माइक्रो गैस सेन्सर फॉर वॉलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स एंड पाल्युटैन्ट गैंसेज' सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। परियोजना पर कार्य करते हुए अपने समाजोपयोगी शोध कार्यों के द्वारा संस्थान के वैज्ञानिकों ने गैस संवेदकों का विकास किया है। ये गैस संवेदक घरों के अलावा खानों, उद्योगों, प्रयोगशालाओं आदि में अत्यंत उपयोगी हैं। संस्थान द्वारा विकसित सूक्ष्म गैस संवेदक आकार में छोटे अर्थात माइक्रो आकार के हैं तथा कार्य निष्पादन हेतु कम विद्युत ऊर्जा (मिली वॉट) की खपत करते हैं। गैस संवेदक किसी भी प्रकार तथा मात्रा में गैस की उपस्थिति, रिसाव आदि का पता लगाने में सक्षम एक ऐसी युक्ति है जिसके द्वारा कार्बन मोनोऑक्साइड, अमोनिया, एलपीजी आदि किसी भी गैस के

रिसाव के कारण संभावित किसी भी दुर्घटना आदि से बचा जा सकता है और जान-माल की हानि को रोका जा सकता है। यह गैस संवेदक मनुष्य के लिए इन गैसों के लिए सामान्य से अधिक स्तर होने पर आवश्यक संकेत भी प्रसारित करेगी ताकि संभावित दुर्घटनाओं और इसके दुष्परिणामों से बचा जा सके। यह युक्ति पर्यावरण की देखभाल के लिए भी अत्यंत उपयोगी है। इन युक्तियों द्वारा पर्यावरण में मौजूद गैसों के स्तर की मॉनीटरिंग भी की जा सकती है।

खानों, रासायनिक कल-कारखानों, घरों-भवनों, प्रयोगशालाओं आदि में होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 330.70 लाख धनराशि की यह महत्वाकांक्षी परियोजना सीएसआईआर-सीरी को सौंपी गई थी। संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर के सक्षम एवं सुयोग्य मार्गदर्शन में मेम्स एवं सूक्ष्म संवेदक समूह के विभागाध्यक्ष डॉ अजय अग्रवाल, श्री राहुल प्रजेश, श्री जितेन्द्र भार्गव, श्री अशोक शर्मा, डॉ अली अकबर और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक सूक्ष्म गैस संवेदकों का विनिर्माण किया है तथा विभिन्न प्रदूषक गैसों तथा वॉलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स (वीओसी) पर इनकी कार्यप्रणाली का जीवंत प्रदर्शन किया।

प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख को गैस संवेदक का प्रोटोटाइप सौंपते हुए डॉ. चंद्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

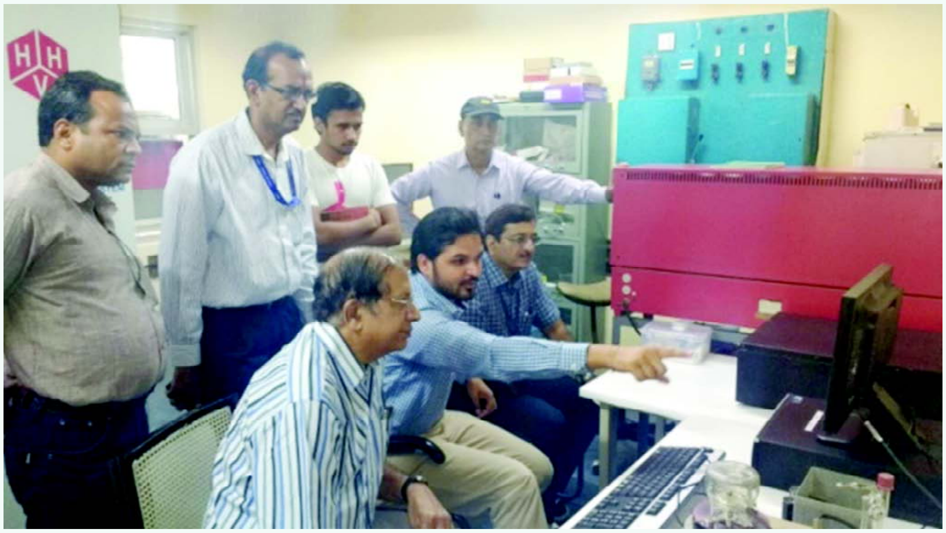

प्रतिनिधिमंडल को गैस संवेदक युक्ति की कार्यप्रणाली समझाते हुए श्री राहुल प्रजेश, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी

संस्थान के वैज्ञानिकों के दल ने अमोनिया (NH_3), कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), ईथेनॉल (C_2H_5OH), प्रोपेनॉल (C_6H_6) तथा बेन्ज़ीन (C_3H_7OH) जैसे प्रदूषकों तथा वॉलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स (वीओसी) के लिए इस महत्वपूर्ण युक्ति के कार्यक्षम प्रोटोटाइप प्रायोजक संस्था के प्रतिनिधि मंडल को सौंपे।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.सी. गडकरी ने इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. चंद्रशेखर और संस्थान के मेम्स व माइक्रो सेन्सर्स समूह की टीम की प्रशंसा की। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अजय अग्रवाल की टीम ने प्रतिनिधिमंडल के सामने इस युक्ति का सफल परीक्षण किया। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डेइटी) द्वारा प्रायोजित परियोजना को पूर्ण करने पर संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर ने सभी संबंधित सहकर्मियों की सराहना की तथा इसी प्रकार पूरी तन्मयता से संस्थान और राष्ट्र के उद्देश्यों की पूर्ति में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रायोजक संस्था के प्रतिनिधिमंडल के अतिरिक्त संस्थान के निदेशक, डॉ चंद्रशेखर, मेम्स समूह के प्रमुख डॉ. अजय अग्रवाल व उनकी टीम के सदस्य, पीएमबीडी के प्रमुख डॉ अली अकबर, बार्क-मुंबई के डॉ. एस. सी. गडकरी, डेइटी-नई दिल्ली के डॉ सुनील अलघ, डॉ सुनीता वर्मा तथा एसएसपीएल-नई दिल्ली के डॉ वी के जैन तथा आईआईटी-नई दिल्ली के प्रो. सुधीर चंद्र आदि उपस्थित थे। विशेषज्ञों के प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि उद्योगों व अन्य संस्थानों को आमंत्रित करते हुए एक प्रौद्योगिकी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जाए ताकि संस्थान द्वारा विकसित गैस संवेदक की जानकारी उद्योग जगत व अन्य शोध संस्थानों को हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस युक्ति के निर्माण के समय इलेक्ट्रॉनिक भाग उद्योगों द्वारा और गैस संवेदक सीएसआईआर-सीरी द्वारा तैयार किया जाए।

स्टेटमेन्ट

'सीएसआईआर-सीरी भारत में एकमात्र शैक्षणिक संस्था है जो उपलब्ध ज्ञान एवं जानकारी को प्रणाली में बदल कर हानिकारक गैसों से उत्पन्न होने वाली समस्या का पूर्ण निदान कर सकता है। मुझे खुशी है कि संस्थान के वैज्ञानिकों ने इस कार्य में सफलता प्राप्त की है।' डॉ. चंद्रशेखर, निदेशक, सीरी ने कहा।

'सीएसआईआर-सीरी शीघ्र ही इस युक्ति के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को मूर्त रूप देगा ताकि इस युक्ति के उपयोग से गैसों के रिसाव, उपस्थिति आदि से होने वाली दुर्घटनाओं व दुष्परिणामों की रोकथाम हो सकें' डॉ. अजय अग्रवाल, प्रमुख मेम्स एंड माइक्रोसेंसर समूह ने कहा।

सीएसआईआर-सीबीआरआई द्वारा श्रीनगर, उत्तराखंड का सिसमिक माइक्रोजोनेशन

12वीं पंचवर्षीय योजना में इंजीनियरिंग ऑफ अर्थक्वेक डिजास्टर मिटिगेशन नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत मार्च, 2012 में निम्नलिखित उद्देश्यो: भू-वैज्ञानिक, भू-भौतिकी, भू-तकनीकी, भूकम्प विज्ञान तथा द्रवीकरण अध्ययनों का उपयोग करते हुए श्रीनगर (उत्तराखंड) का भूकंपीय सूक्ष्म अनुक्षेत्र शुरू किया गया था। अब तक निम्नलिखित कार्य कर लिए गए हैं।

- पांच स्थलों पर भूकंपीय विधियों का उपयोग करते हुए भू-भौतिकी अन्वेषण
- पांच स्थलों पर इलेक्ट्रिकल विधियों का उपयोग करते हुए भू-भौतिकी अन्वेषण
- श्रीनगर में स्थापित एसएमए नेटवर्क से सुदृढ़ गति डाटा का संग्रहण
- भू-तकनीकी अन्वेषण के लिए श्रीनगर में सिविल प्राधिकारियों से अनुमति लेने का कार्य चल रहा है।

भूकंपीय तथा इलेक्ट्रिकल विधियों का उपयोग करते हुए अलकनंदा नदी के दोनों किनारों पर अधोसतह संरचना

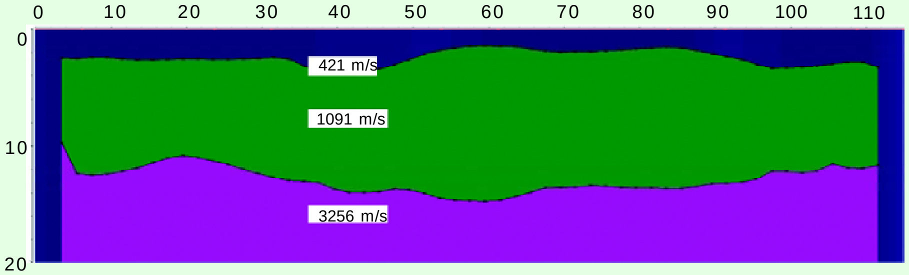

आकृति-1 (ए) रेफ्रेक्शन विधि के उपयोग से आईआईटी मैदान, श्रीनगर का पी वेब विचलन

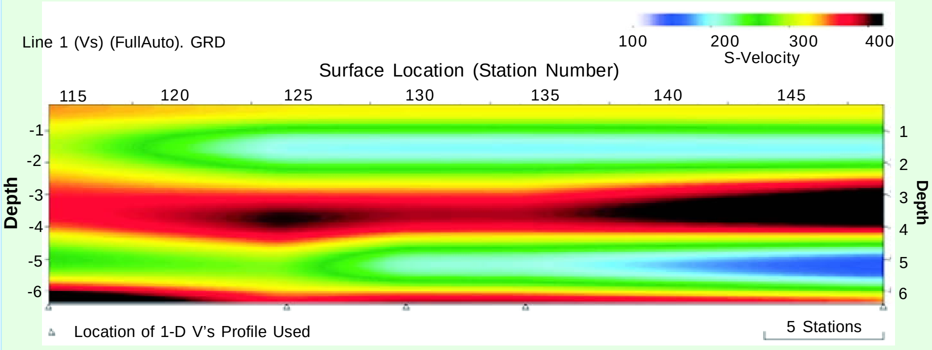

आकृति-1 (बी) एमएएसडब्ल्यू के उपयोग से चौरास इंटर कॉलेज, श्रीनगर में शिवर वेब वेलीसिटी विचलन

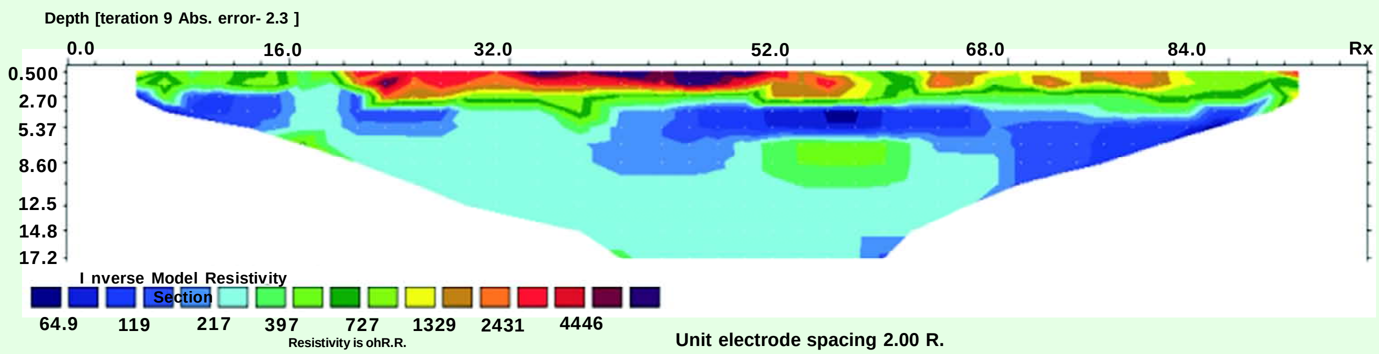

आकृति-1 (सी) रेजिस्टीविटी इमेजिंग सिस्टम के उपयोग से एसएसबी मैदान, श्रीनगर में रेजिस्टीविटी विचलन

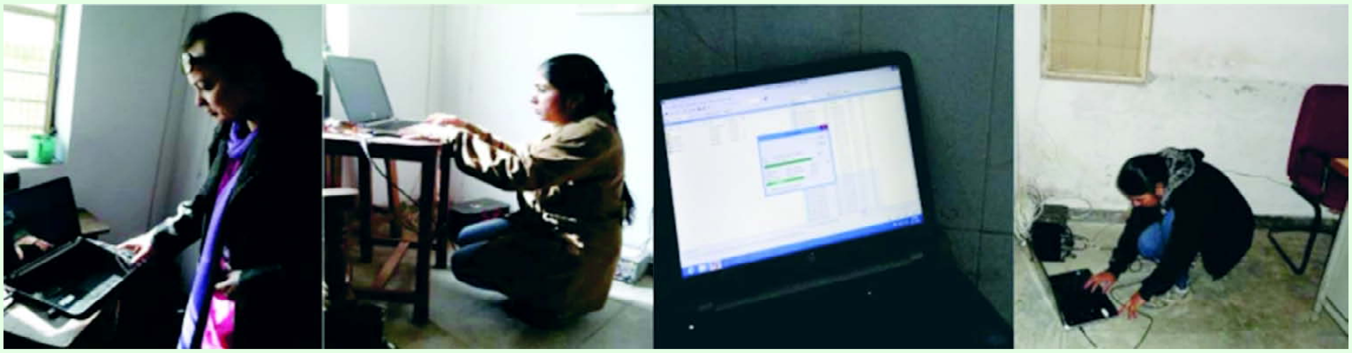

तक भू-भौतिकी अन्वेषण किए गए हैं। पाँच सिसमिक सर्वेक्षणों में, 4 रोधकता इमेजिंग प्रोफाइलों तथा 3 एमएएसडब्ल्यू प्रोफाइल लिए गए हैं। इन विधियों में अन्वेषण की गहराई प्रयुक्त प्रोफाइल की गहराई तथा भूकंपीय विधि के मामले में इम्पेक्ट ऑफ सोर्स पर निर्भर करती है। डाटा प्रोसेसिंग अधोसतह की सूचना 20 मी. की गहराई तक दी गई है। इसमें निम्नलिखित स्थान सम्मिलित हैः

- ➢ एसएसबी मैदान, श्रीनगर
- ➢ आईटीआई मैदान, श्रीनगर
- ➢ हॉर्टिकल्चर मैदान, श्रीनगर
- ➢ चौरस इंटर कॉलेज, श्रीनगर
- ➢ कोर्ट कम्पाउंड, श्रीनगर

सभी प्रकार के सर्वेक्षणों के परिणाम आकृति-1 (ए,बी,सी) में दिए गए हैं ।

निम्नलिखित स्थानों पर डाटा रिट्रीविंग सिस्टम के माध्यम से विन एससीपी सोफ्टवेयर के उपयोग द्वारा स्थापित एसएमए नेटवर्क से सुदृढ़ गति डाटा को प्राप्त किया गया है।

- ✓ तहसील श्रीनगर
- ✓ एस.एस.बी., श्रीनगर
- ✓ जी.जी.आई.सी. श्रीनगर
- ✓ एस.डी.एम. कार्यालय, कीर्तिनगर

भू तकनीकी अन्वेषण के लिए श्रीनगर के सिविल प्राधिकारियों से सरकारी अनुमति लेने की प्रक्रिया चल रही है तथा जिसके लिए अस्थाई तौर पर साइटें चिन्हित कर ली गई हैं। विभिन्न संगठनों जैसे जीवीके हाइड्रो प्रोजेक्ट, यूनिवर्सिटी सिविल विभाग, पीडब्ल्यूडी श्रीनगर व अन्य इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट से भूतकनीकी रिपोर्टें प्राप्त करने के लिए कार्य प्रगति पर है।

सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली में हिंदी सप्ताह का आयोजन

परिषद मुख्यालय में दिनांक 07.09.2015 से 14.09.2015 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। 07 सितम्बर, 2015 को हिंदी सप्ताह उद्घाटन समारोह एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। परिषद मुख्यालय के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (एसजी) डॉ. पूरन पाल द्वारा सभी उपस्थित जनों के स्वागत तथा कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालने के बाद सीएसआईआर में हिंदी सप्ताह का उद्घाटन, इस अवसर पर आमंत्रित तीन अतिथियों-प्रतिष्ठित गीतकार, श्री धनंजय सिंह, श्री विजय मेहरोत्रा एवं हास्य-व्यंग्यकार श्री सतीश सागर की उपस्थिति में परिषद मुख्यालय के विज्ञान प्रसार एकक के प्रमुख डॉ. दलजीत सिंह बेदी द्वारा किया गया।

तदुपरान्त परिषद के अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा स्वरचित एवं पररचित कविताओं के भावनापूर्ण एवं सरस प्रस्तुतिकरण से वातावरण काव्यमय हो गया।

इसके बाद तीनों गीतकारों ने अपने गीतों-व्यंग्यों को स्वर देकर सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उल्लसित एवं प्रमुदित किया। उपस्थित तीनों अतिथि-कवियों ने निर्णायक मंडल के रूप में सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा की और काव्य-पाठ पुरस्कारों की घोषणा की।

हिंदी सप्ताह के अन्तर्गत काव्य-पाठ प्रतियोगिता के अलावा सामान्य ज्ञान, निबंध, हिंदी भाषा-व्यवहार, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें अनेक अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

14 सितम्बर, 2015 को हिंदी दिवस, पुरस्कार वितरण एवं हिंदी सप्ताह समापन समारोह का आयोजन किया गया। परिषद के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (एसजी) डॉ. पूरन पाल ने कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. गिरीश साहनी, महानिदेशक, सीएसआईआर; डॉ. अनुपमा, संयुक्त सचिव तथा अन्य उपस्थित अधिकारियों एवं सहयोगियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। उन्होंने हिंदी दिवस की आवश्यकता, अनिवार्यता तथा उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए संघ की राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा संकल्प, राजभाषा नियमावली, राष्ट्रपति जी के आदेशों, संसदीय राजभाषा समिति द्वारा सरकारी मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षार्थ किए जाने वाले निरीक्षणों आदि के बारे में भी संक्षिप्त परन्तु सारगर्भित जानकारी दी।

इस अवसर पर काव्य-पाठ प्रतियोगिता के तीनों पुरस्कार विजेताओं ने काव्य-प्रस्तुति भी की। इसके पश्चात् संयुक्त सचिव, सीएसआईआर ने अपने संबोधन में हिंदी और भारतीय संस्कृति पर प्रहार करके भारत की एकता और अखण्डता को छिन्न-भिन्न करने हेतु लॉर्ड मेकाले द्वारा शुरू की गई शिक्षा पद्धति में अंग्रेजी भाषा की प्रोन्नति को हथियार बनाए जाने का जिक्र करते हुए स्वभाषा की महत्ता पर चर्चा की और दैनिक सरकारी कामकाज में मौलिक रूप से हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग किए जाने पर बल दिया।

महानिदेशक, सीएसआईआर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्पष्ट किया कि सभी को अपने सरकारी दायित्वों के निर्वहन योग्य हिंदी भाषा का ज्ञान होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को अपना-अपना कार्य स्वेच्छा एवं गर्व के साथ राजभाषा हिंदी में करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए अपना सरकारी कार्य मौलिक रूप से हिंदी में करने का आग्रह किया ताकि हम अपने संवैधानिक, राष्ट्रीय, नैतिक कर्तव्य का सामूहिक एवं व्यक्तिगत रूप से पालन कर सकें।

अंत में हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (एसजी) डॉ. पूरन पाल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सीएसआईआर-निस्केयर, नई दिल्ली में हिन्दी मास का आयोजन

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्त्रोत संस्थान (निस्केयर), नई दिल्ली में दिनांक 14 सितम्बर 2015 से 14 अक्टूबर 2015 तक हिन्दी मास का आयोजन किया गया। हिन्दी मास के आरम्भ में राजभाषा इकाई द्वारा संस्थान के सभी कार्मिकों से अपना कार्यालयी कार्य हिन्दी में करने की अपील की गयी। हिन्दी मास के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देश्य न सिर्फ कार्मिकों को अपना कार्यालयी कार्य हिन्दी में करने के प्रति उनका उत्साहवर्धन करना था बल्कि संस्थान की दैनिक गतिविधियों से परे कुछ रचनात्मक तथा नया करने के लिए प्रेरित करना था। राजभाषा इकाई द्वारा इस दौरान निम्नांकित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मंच पर आसीन हैं प्रशासनिक अधिकारी, श्रीमती मरसी जोसेफ; कार्यकारी निदेशक, श्रीमती दीक्षा बिष्ट; मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र शर्मा तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी, डॉ. जी. मिश्रा

1. **हिन्दी नोटिंग ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता**
2. **वाद-विवाद प्रतियोगिता** - इस प्रतियोगिता का विषय **सोशल मीडिया समाज के लिए प्रभावी/अप्रभावी?** था। प्रतिभागियों ने उपर्युक्त विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य रखते हुए अपने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए।
3. **कविता पाठ प्रतियोगिता** - इस बार अधिकतम प्रतिभागियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया तथा अपने भावों को कविता के माध्यम से प्रकट किया।
4. **हिन्दी निबंध प्रतियोगिता** - प्रति-वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह प्रतियोगिता हिन्दी तथा हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए अलग-अलग आयोजित की गयी। जिनका विषय इस प्रकार है-
   - **क्यों जरूरी हैं बेटियाँ?**
   - **मांसाहार पर निषेध कितना उचित?**
5. **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** - इस प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञान, सामान्य विज्ञान तथा हिन्दी साहित्य पर आधारित प्रश्न पूछे गए। इस प्रतियोगिता का उत्साह देखते ही बनता था।
6. **अंताक्षरी प्रतियोगिता** - संस्थान के कार्मिकों ने इस प्रतियोगिता में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थान के सभी वर्गों के कार्मिक, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। संस्थान की निदेशक महोदया ने स्वयं प्रतियोगिता में प्रतिभागी बन सभी का उत्साहवर्धन किया।

दीप-प्रज्ज्वलित करते हुए मुख्य अतिथि

हिन्दी मास समारोह के समापन के अवसर पर 15 अक्टूबर 2015 को हास्य एवं व्यंग के

प्रसिद्ध कवि श्री डॉ. महेंद्र शर्मा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। समारोह का आरम्भ मुख्य अतिथि तथा मंच पर आसीन अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। दीप प्रज्जवलन के बाद प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती मर्सी जोसेफ ने राजभाषा रिपोर्ट प्रस्तुत की। अपनी रिपोर्ट में उन्होंने पिछले वर्ष की राजभाषा गतिविधियों तथा उपलब्धियों के विषय में जानकारी प्रदान की। उन्होंने सभी कार्मिकों को निस्केयर की राजभाषा वार्षिक पत्रिका **संचेतना** में अपना लेख प्रकाशित कराने तथा राजभाषा कार्यों में अपना योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया तथा भविष्य में अपना सहयोग बनाए रखने के लिए निवेदन किया।

इसके पश्चात श्रीमती दीक्षा बिष्ट, कार्यकारी निदेशक ने उपस्थित जन-समूह को संबोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा है। हम सबका यह सामूहिक उतरदायित्व है कि हम इसके उत्तरोत्तर विकास एवं समृद्धि के लिए इसके प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ावा दें। कार्यालय में जहां हम हिन्दी में कार्य करते हुए राजभाषा के संवैधानिक नियमों का अनुपालन करते हैं वहीं इससे देश कि आम जनता को भी सरकार की नीतियों एवं योजनाओं का पता चलता है तथा शासन एवं प्रशासन में इससे पारदर्शिता भी बढ़ती है। उन्होंने बताया कि संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 30.12.2014 को संस्थान का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान समिति ने संस्थान के राजभाषा संबंधी कार्यों की प्रशंसा के साथ-

जनसमूह को सम्बोधित करते हुए श्रीमती दीक्षा बिष्ट, कार्यकारी निदेशक

राजभाषा वार्षिक पत्रिका संचेतना का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि

कविता-पाठ करते हुए मुख्य अतिथि

साथ संस्थान में किए जा रहे प्रकाशन संबंधी कार्यों यथा- लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं के प्रकाशन की भी प्रशंसा की तथा साथ ही संस्थान की हिन्दी वेबसाइट की भी बहुत प्रशंसा की।

उन्होंने राजभाषा वार्षिक पत्रिका **संचेतना** के संपादक के रूप में संचेतना के प्रकाशन से जुड़े सभी कार्मिकों को धन्यवाद दिया तथा कार्मिकों को संचेतना के लिए उच्च-स्तरीय लेख/कहानी/कविताएं इत्यादि उपलब्ध कराने के लिए भी धन्यवाद दिया। मुख्य अतिथि महोदय ने राजभाषा इकाई द्वारा प्रकाशित राजभाषा पत्रिका संचेतना के खंड-17 का विमोचन किया। श्रीमती मीनाक्षी गौड़ ने मुख्य अतिथि का जन-समूह के साथ परिचय करवाते हुए उन्हें कविता पाठ हेतु आमंत्रित किया।

श्री डॉ महेंद्र शर्मा ने अपनी हास्य-व्यंग से भरपूर कविताओं/क्षणिकाओं से उपस्थित जन-समूह का मन मोह लिया। उनकी कविताओं में हास्य के साथ-साथ समाज के बदलते संदर्भों तथा संस्कारों पर कटाक्ष भी था। उनकी रचनाओं में पति-पत्नी की नोंकझोंक, परिवार के बदलते मूल्यों/रिश्तों तथा भावनाओं के प्रति विशेष झुकाव था।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि, निदेशक महोदया, प्रशासनिक अधिकारी, तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी ने हिन्दी प्रतियोगिता के विजेताओं, वर्ष में हिन्दी में अधिकतम कार्य करने वाले कार्मिकों को नगद पुरस्कार वितरित किए। इस समारोह में सीएसआईआर- स्थापना दिवस के दौरान हुए क्रिकेट मैच के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसे कतिपय कारणों से स्थापना दिवस के दौरान प्रदान नहीं किया जा सका था।

अंत में डॉ. ज्ञानेन्द्र मिश्र, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने संस्थान की ओर से मुख्य अतिथि महोदय तथा निदेशक महोदया का धन्यवाद किया तथा भविष्य में ऐसे आयोजनों की आशा के साथ सभी को धन्यवाद दिया।

धन्यवाद प्रस्ताव के साथ ही समारोह सम्पन्न हुआ।

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 8 सितम्बर, 2015 से प्रारंभ हिंदी सप्ताह का समापन प्रगत पदार्थ एवं प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल में हिंदी दिवस के रूप में 14 सितम्बर, 2015 को हुआ। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम. एल. छीपा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

हिंदी सप्ताह के दौरान संस्थान के स्टाफ सदस्यों के लिए चित्र और विचार, प्रश्नोत्तरी और टिप्पण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के आरम्भ में एम्प्री के निदेशक डॉ. एस. दास ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राजभाषा में काम करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हिन्दी एक सरल भाषा है और सरलता के कारण ही इसका और प्रसार हो रहा है। वैज्ञानिक अपने शोध की उपलब्धियों को आम जन तक उनकी भाषा में ही पंहुचा सकते है, उन्होंने कहा।

इसके उपरान्त वरिष्ठ प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. जय प्रकाश शुक्ल ने अतिथि का परिचय दिया।

अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एम. एल. छीपा ने समाज में हिंदी की स्थिति को उन्होंने बहुत ही रोचक तरीके से अपने व्याख्यान में पिरोया। उन्होंने कहा कि आपके जैसे वैज्ञानिक संस्थानों पर हिंदी के प्रसार का अधिक दायित्व है।

उन्होंने कहा कि भाषा को जितना आप प्रयोग में लायेंगे, भाषा उतना ही निखरेगी। प्रो. छीपा ने एम्प्री और अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय के बीच समन्वय कर हिंदी में वैज्ञानिक कार्य की संभावना को रेखांकित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान की राजभाषा पत्रिका सोपान का भी विमोचन किया। मुख्य अतिथि ने सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा राजभाषा में शासकीय कार्य करने वाले स्टाफ को प्रोत्साहन पुरस्कार वितरित किये। डॉ. एस.ए.आर. हाशमी, वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा दुबे, हिंदी अधिकारी द्वारा किया गया

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में हिंदी सप्ताह 2015 का आयोजन

सीएसआईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी में 7-11 सितंबर 2015 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी जनवरी 2015 से अगस्त 2015 तक 06 लिखित प्रतियागिताएँ आयोजित की गईं। हिंदी सप्ताह के दौरान 06 मौखिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रकार इस वर्ष कुल 12 प्रतियोगिताएँ तथा प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। दिनांक 14 सितंबर 2014 को हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें इन प्रतियोगिताओं के 71 विजेता-सहकर्मियों को पुरस्कृत किया गया। विजेताओं को हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार खन्ना, प्रमुख वैज्ञानिक ने पुरस्कृत किया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं के साथ राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य, हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के सदस्य तथा अन्य सहकर्मी उपस्थित थे।

समारोह में सभागार में उपस्थित सहकर्मी

संस्थान में हिंदी सप्ताह का शुभारंभ 7 सितंबर 2015 को पुराने सभागार में आयोजित आशुभाषण प्रतियोगिता के साथ हुआ। प्रतियोगिता से पूर्व हिंदी अधिकारी ने हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार खन्ना, उपस्थित राकास सदस्यों, अधिकारियों एवं सहकर्मियों का स्वागत किया। उन्होंने संस्थान में इस आयोजन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अवधि में देश भर के केंद्रीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों आदि में इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं। सप्ताह पर्यन्त आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार है- आशुभाषण, वाद-विवाद, कविता पाठ (स्वरचित), कविता पाठ (अन्य कवि), प्रशासनिक प्रस्तुतीकरण, तकनीकी प्रस्तुतीकरण तथा प्रश्न मंच इत्यादि।

श्री बौरा ने बताया कि इस वर्ष भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में नियमित सहकर्मियों के साथ-साथ संस्थान में कार्यरत पीजीआरपीई छात्र, परियोजना अध्येता, अनुसंधान अध्येता, प्रशिक्षणार्थी आदि भी सम्मिलित हुए। सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने सोत्साह भाग लिया।

हिंदी सप्ताह का समापन 14 सितंबर 2015 को हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं प्रमुख वैज्ञानिक डॉ प्रमोद कुमार खन्ना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर संस्थान की राकास के वरिष्ठ सदस्य तथा ज्ञान संसाधन केंद्र के अध्यक्ष श्री पीवीएल रेड्डी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं अन्य सहकर्मी उपस्थित थे। डॉ खन्ना और श्री रेड्डी ने इस अवसर पर संस्थान में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं के साथ-साथ संस्थान में लागू राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले प्रशासनिक तथा तकनीकी अनुभाग/ प्रभाग को राजभाषा प्रोत्साहन चल वैजयंती प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल प्रशिक्षार्थियों को भी प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार खन्ना ने कहा कि यद्यपि संस्थान में हिंदी कार्य पहले भी काफी होता था परंतु विगत दो संसदीय राजभाषा

पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार खन्ना, प्रमुख वैज्ञानिक

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए रा का स सदस्य श्री पीवीएल रेड्डी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, ज्ञान संसाधन केंद्र

निरीक्षणों के उपरांत स्थिति में आशातीत सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर वृद्धि का श्रेय संस्थान के निदेशक डॉ. चंद्रशेखर को जाता है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त संस्थान के सभी अधिकारी एवं सहकर्मी भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने राजभाषा नियमों का पालन करते हुए संस्थान में हिंदी कार्य की वृद्धि में अपना योगदान दिया। अपने संक्षिप्त उद्‌बोधन में उन्होंने 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्‌घाटन के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य का संदर्भ देते हुए कहा कि उनका कथन सर्वथा उचित है कि वह दिन दूर नहीं है जब डिजिटल प्रणाली के माध्यम से हिंदी विश्व परिदृश्य में अत्यंत लोकप्रिय होगी। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास अनेक डिजिटल उपकरण मौजूद हैं जिनकी मदद से हम अपने कार्यालयी कार्यों में हिंदी का उपयोग बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नए नए डिजिटल टूल्स का उपयोग कर हमारे वैज्ञानिक व तकनीकी साथी भी अपना कार्यालयी कार्य हिंदी में सरलता से कर सकते हैं। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए सभी प्रतियोगिताओं के निर्णायकों को भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं में नए नए साथियों द्वारा प्रतिभागिता और पुरस्कार जीतना सुखद है। अंत में उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी और राजभाषा प्रकोष्ठ को सफल आयोजन और दो प्रकाशनों के लिए बधाई दी।

अपने स्वागत उद्‌बोधन में श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी ने कहा कि भारत की संविधान-निर्मात्री सभा ने संविधान में 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इस दिन को देश में हिंदी दिवस के रूप में मनाए जाने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र) के प्रयासों से वर्ष 1953 से 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

इस अवसर पर श्री रमेश बौरा ने वर्ष 2014-15 में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए गए कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने संस्थान में चलाई जा रही प्रोत्साहन योजनाओं तथा हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी तथा सभी सहकर्मियों से अपने दैनिक कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का आह्वान किया।

डॉ.पी के खन्ना तथा श्री पीवीएल रेड्डी ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित पत्रिका राजभाषा **संदर्शिका** (वर्ष 2014-15) तथा **इलेक्ट्रॉनिकी ज्योति** के काव्य-गोष्ठी विशेषांक का विमोचन भी किया। अंत में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं ज्ञान संसाधन केंद्र के अध्यक्ष श्री पी वी एल रेड्डी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी तथा निदेशक महोदय, आयोजन समिति के सदस्यों तथा इस आयोजन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहकमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रकार संस्थान में हिंदी सप्ताह 2015 का आयोजन संपन्न हुआ।

सीएसआईआर-सीईसीआरआई, कारैकुडी में हिंदी माह 2015 संपन्न

सीएसआईआर-केंन्द्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान, कारैकुडी में 01 सितंबर से 30 सितंबर तक हिंदी माह मनाया गया। दि. 05.10.2015 को संस्थान के निदेशक प्रो. विजयमोहनन के पिल्लै की अध्यक्षता में हिंदी माह -2015 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। डॉ. एम. सलीम बेग, प्रोफेसर तथा डीन, हिंदी विभाग, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान- मानित विश्वविद्यालय, दिंडीगल इस समारोह के मुख्य अतिथि रहे।

डॉ. के. तंगवेल, मुख्य वैज्ञानिक ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री सोमेश्वर पाण्डेय ने इस दौरान हुई गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि इस दौरान संस्थान के कर्मचारियों के लिए कुल 13 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत 2 ऑनलाइन प्रतियोगिताएं, सामान्य ज्ञान पर प्रश्नोत्तरी, गीतगायन, सुलेख, और अनुभागवार प्रतियोगिताएं शामिल हैं ।

इसके अतिरिक्त सामान्य हिंदी पर एक कार्यशाला और एक युवा वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने यह भी बताया कि दिनांक 14 सितम्बर, 2015 को हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. विजयमोहनन के पिल्लै द्वारा सभी कर्मचारियों से यह अपील की गई थी कि वे अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें। हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया जिसका संचालन श्री थॉमस एलेक्जेंडर, संरक्षा अधिकारी ने किया।

तदुपरांत समापन समारोह के अध्यक्ष प्रो. विजयमोहनन के पिल्लै ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें और साथ ही उन्होंने राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को गंभीरता से लेने तथा हिंदी के प्रयोग की प्रतिशतता को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हमें हमारे वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ जन-जन तक पहुंचाना है तो हमें हिन्दी, तमिल तथा अन्य भारतीय भाषाओं को माध्यम बनाना होगा, तभी हम देश के प्रत्येक जन को इस वैज्ञानिक विकास का लाभ पहुंचा सकेंगे।

इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एम. सलीम बेग ने कहा कि अपनी मातृभाषा और साथ-साथ हमें हिंदी को अपनाने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विदेशों में हिंदी के प्रति बढ़ती रुचि और लोकप्रियता के बारे में बताते हुए कहा कि दक्षिण के अधिकांश कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हिंदी विभाग की स्थापना की गई है और हिंदी के कई कोर्स चलाए जाते हैं। उन्होंने हिंदी सीखने पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में बताया और कई रोचक उदाहरण देते हुए हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला और अंत में सबसे निःसंकोच हिंदी का प्रयोग करने का आग्रह किया।

इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया तथा संस्थान में अधिकाधिक हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने वाले वर्क्स एवं सामान्य अनुभाग को भी पुरस्कृत किया गया।

समारोह के अंत में श्री सोमेश्वर पाण्डेय, हिंदी अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इसमें सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों/कर्मचारियों तथा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए, संस्थान में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में और अधिक सहयोग देने की अपील की। श्रीमती जी कलैवाणी, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक ने इस समारोह का मंच संचालन किया।

सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़ा 2015 का आयोजन

सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), नई दिल्ली में दिनांक 14 सितंबर 2015 को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में दिनांक 14 सितंबर 2015 से 29 सितंबर 2015 तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन किया गया। संस्थान के कार्यकारी निदेशक श्री सुधीर माथुर ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। अपने वक्तव्य में उन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए गंभीर प्रयास करने पर बल दिया। हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान के कार्मिकों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं यथा निबंध लेखन, देशभक्ति कविता पाठ प्रतियोगिता, हिंदी में भाषण प्रतियोगिता तथा अनुभव कथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान में हास्य एवं व्यंग्य कविताओं के एक सत्र का भी आयोजन किया गया। प्रसिद्ध हिंदी कवयित्री डॉ. सरोजिनी प्रीतम ने अपनी हंसिकाओं से सभागार में उपस्थित संस्थान के सभी कार्मिकों को अत्याधिक प्रभावित किया। पखवाड़े के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती मोहिनी हिंगोरानी, निदेशक, नागर विमानन मंत्रालय को संस्थान में आमंत्रित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं में कार्मिकों की उत्साहपूर्ण प्रतिभागिता प्रशंसनीय है और इससे हिंदी के प्रति सकारात्मक वातावरण के निर्माण में सहायता मिलेगी।

संस्थान के वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्मिकों के लिए दिनांक 23 एवं 24 सितंबर 2015 को हिंदी टेबल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला

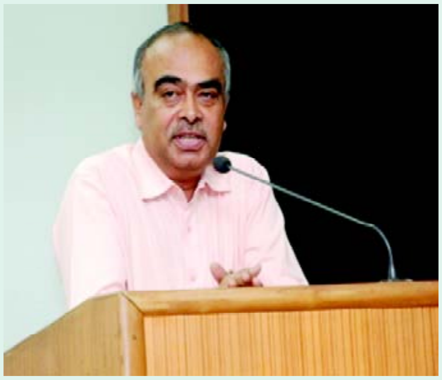

सीएसआईआर-सीआरआरआई में आयोजित हिंदी पखवाड़ा समारोह की झलकियां

में संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए अपेक्षित प्रयासों तथा राजभाषा कार्यान्वयन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्यशाला के दौरान सभी प्रभागीय प्रमुखों ने अपने-अपने प्रभागों में हिंदी कार्य की मात्रा बढ़ाने का आश्वासन दिया।

हिंदी पखवाड़े का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 29 सितंबर 2015 को आयोजित किया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निदेशक श्री हरिंद्र कुमार ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में राजभाषा हिंदी की महत्ता को प्रतिपादित किया। संस्थान के निदेशक डॉ.एस.गंगोपाध्याय ने इस समारोह में कहा कि राजभाषा निरीक्षण के दौरान संसदीय राजभाषा समिति ने संस्थान के वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन की विशेष रूप से सराहना की थी। अतः हिंदी में तकनीकी लेखन के साथ-साथ प्रशासन के क्षेत्र में सभी अधिकारियों द्वारा और अधिक गंभीर प्रयास करने एवं हिंदी कार्य बढ़ाने की आवश्यकता है।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान की प्रशासन नियंत्रक सुश्री डी.विजयलक्ष्मी ने सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग में वृद्धि के लिए एकनिष्ठ एवं अनवरत प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, श्री संजय चौधरी ने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की और समापन समारोह का सफलतापूर्वक संचालन किया।

सीएसआईआर-केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

सीएसआईआर-केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर में दिनांक 07 सितंबर से 14 सितंबर, 2015 के दौरान हिन्दी सप्ताह विविध प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान प्रतिदिन ऑनलाइन हिन्दी प्रश्नोत्तरी, तस्वीर क्या बोलती है। कम्प्यूटर पर हिन्दी टाइपिंग (यूनिकोड में) श्रुतलेखन, समाचार वाचन, कविता पाठ एवं तत्काल प्रश्नोत्तरी जैसी विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जिनमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

14 सितंबर, हिन्दी दिवस को आयोजित समापन समारोह में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा गुजरात विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष, प्रो. अशोक कुमार सिंघवी तथा विशेष अतिथि के रूप में श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय आयोजन सचिव, विज्ञान भारती को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में पद्मश्री प्रो. सुखदेव को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

अतिथियों के स्वागत के पश्चात वैज्ञानिक एवं राजभाषा अधिकारी, डॉ. कान्ति भूषण पाण्डेय ने संस्थान में हिन्दी भाषा के अद्यतन कार्यान्वयन तथा हिन्दी सप्ताह के कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। अपने प्रासंगिक व्याख्यान में मुख्य अतिथि प्रो. सिंघवी ने सरल हिन्दी में देश के वैज्ञानिक विकास की वर्तमान परिस्थिति पर प्रकाश डालते हुए जोर दिया कि पहले से चली आ रही नियंत्रित प्रणाली को बदलने की आवश्यकता है। युवा शक्ति की क्षमता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि युवा ही देश का भविष्य हैं, इनकी अवगणना नहीं की जा सकती। युवा-वैज्ञानिकों की बुद्धिशक्ति को उचित अवसर प्रदान करना होगा। उन्होंने युवाओं से देश के विकास हेतु सकारात्मक अभिगम, सदाचार और समाज के प्रति अपने दायित्व को समझकर आचरण करने के लिए अनुरोध किया।

समारोह के विशेष अतिथि श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे ने **स्वामी विवेकानंद और विज्ञान** विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए बताया कि विवेकानंद जी को सब आध्यात्मिक गुरु, विचारक तथा तत्वज्ञानी के रूप में जानतें हैं परन्तु उनके अंदर एक वैज्ञानिक भी बसता था। उन्होंने स्वामी जी के वैज्ञानिक द्रष्टा के रूप को उजागर करते हुए बताया कि किस तरह उन्होंने ब्रह्मांड की उत्पत्ति को आधुनिक संदर्भ में दर्शाया। स्वामी विवेकानंद की वैज्ञानिक दीर्घदृष्टि के कई उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा का अधिकार रखने की बात स्वामीजी ने उसी समय ही कही थी।

समारोह में सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कक्षा एक से बारहवीं तक हिन्दी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के 15 बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा वर्ष के दौरान हिन्दी शब्दों का अधिकाधिक प्रयोग करने वाले कर्मचारियों को नगद

सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम में दिनांक 14 सितंबर 2015 को हिंदी दिवस के रूप में तथा बाद के एक सप्ताह को हिंदी सप्ताह के रूप में अत्यंत जोश एवं उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारम्भ 14 सितंबर को सुबह 10.00 बजे सरस्वती वन्दना से किया गया। डॉ. अशोक पाण्डेय, अध्यक्ष, हिंदी सप्ताह आयोजन समिति ने उपस्थित सभी व्यक्तियों का स्वागत किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. अजयघोष ने समारोह की अध्यक्षता की। अपने हिंदी दिवस संदेश में उन्होंने सभी प्रतिभागियों से यह आग्रह किया कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करके अपने संविधान की जिम्मेदारी की पूर्ति करें। उन्होंने आगे बताया कि भारत के साथ सहयोग एवं व्यापार में रूचि रखने वाले भी हिंदी सीख रहे हैं। यदि हम अपने सरकारी कामकाज में इसके उपयोग को अधिक से अधिक बढ़ाते हैं, तो हमें भी लाभ होंगे। प्रतिभागियों को अपना हिंदी दिवस संदेश देने के बाद दीप प्रज्वलित करके निदेशक डॉ. अजयघोष ने समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह के बाद दैनिक जीवन में उपयोगी रसायनों और मातृभाषा से राजभाषा तक के विषयों पर हिंदी

समारोह की झलकियां

पुरस्कार दिये गये। वर्ष के दौरान हिन्दी कार्यान्वयन में वृद्धि हेतु विशेष प्रयासरत वरिष्ठ मुख्य वैज्ञानिक सहित चार अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

संस्थान के निदेशक, डॉ. एस.डब्ल्यू. ए. नक़वी ने दोनों अतिथियों के व्याख्यान के संदर्भ में युवा कर्मचारियों/वैज्ञानिकों से अपनी क्षमता का सही उपयोग करने का अनुरोध करते हुए अतिथियों को धन्यवाद दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा के उत्थान एवं उसके प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा दिये बिना देश का सही मायने में विकास संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि देश को समृद्ध बनाने के लिए हमें विभागीय कार्यों में हिन्दी के शत-प्रतिशत प्रयोग के लिए तत्पर होना होगा। उन्होंने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की सराहना करते हुए हिन्दी विभाग को बधाई दी। समारोह का समापन संस्थान के वरिष्ठ मुख्य वैज्ञानिक श्री महेश गांधी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

उद्‌घाटन सत्र में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ. अशोक पाण्डेय, अध्यक्ष, हिंदी सप्ताह आयोजन समिति

हिंदी दिवस संदेश देते हुए संस्थान निदेशक डॉ. ए. अजयघोष

दिवस व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. गणेश चंद्र नंदी, डीएसटी-इंस्पायर फैकल्टी ने समकालीन महत्व का विषय दैनिक जीवन में उपयोगी रसायनों पर एक अत्यंत सूचनाप्रद प्रस्तुति दी। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जा रहे भोजन, दवा, सौंदर्य प्रसाधनों, आदि में उपलब्ध विभिन्न रसायन, उनकी रासायनिक संरचना, उनके प्रभाव आदि पर सचित्र व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दूसरा व्याख्यान श्री के.पी. कृष्णन, सहायक ग्रेड-I के द्वारा मातृभाषा से राजभाषा तक विषय पर दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि यद्यपि वे जन्म से केरल के हैं, लेकिन जीवन का पूरा समय जमशेदपुर में बिताया है। इसलिए हिंदी उनके लिए मातृभाषा जैसी है। उन्होंने अपने भाषण में, जमशेदपुर के विशेष संदर्भ में, मातृभाषा मलयालम से राजभाषा हिंदी तक उनके रूपांतर के बारे में श्रोतागणों से अपने अनुभव को साझा किया। श्री के. मुरलीधरन, प्रशासन नियंत्रक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हिंदी दिवस समारोह संपन्न हुआ।

हिन्दी सप्ताह के दौरान विभिन्न संकाय सदस्यों की देखरेख में छः प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। परियोजना स्टाफ, अनुसंधान छात्र आदि सहित संस्थान के संपूर्ण स्टाफ सदस्यों ने अत्यंत उत्साह के साथ सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हिन्दी सप्ताह के दौरान दिनांक 14.09.2015 से 18.09.2015 तक स्टाफ सदस्यों के स्कूल छात्रों को तीन ग्रुपों में विभाजित करके निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईः. 1. हिंदी निबंध लेखन, 2. हिंदी अनुवाद, 3. हिंदी गीत

समापन समारोह व पुरस्कार वितरण दिनांक 21.09.2015 को शाम 4.00 बजे आयोजित किया गया।

डॉ. डी.के. वर्मा, आईएफएस, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मुख्य वन संरक्षक का कार्यालय, वन मुख्यालय, तिरुवनन्तपुरम समारोह में मुख्य अतिथि थे।

संस्थान के निदेशक डॉ. अजयघोष ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. अशोक पाण्डेय, अध्यक्ष, आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अजयघोष ने समापन समारोह की अध्यक्षता की।

अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने राजभाषा का प्रचार-प्रसार केवल हिंदी सप्ताह समारोह के आयोजन पर मात्र सीमित न रखकर आगे और कार्यक्रम चलाने की प्रथा जारी रहने का आग्रह किया और हिंदी सप्ताह के सफल आयोजन के लिए प्रयास रत और सहयोग रत विभिन्न संकाय सदस्यों और प्रतिभागियों की प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में संस्थान में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए किए जा रहें प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हिंदी को प्रोत्साहित करने और उसके प्रयोग को बढ़ाने के लिए संस्थान की बधाई की और आग्रह किया कि भविष्य में भी हिंदी को इसी प्रकार बढ़ावा मिलते रहे। बाद में उन्होंने हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल भागीदारों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरित किया। श्री टी.वी. शंकरन, वित्त एवं लेखा नियंत्रक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पत्राचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी शिक्षण योजना की मई 2015 को आयोजित प्रवीण परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त डॉ. करुणावारन वेणुगोपाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा डॉ. ए. श्रीनिवासन, वैज्ञानिक को उनके द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद में हिंदी दिवस का आयोजन

हर वर्ष की तरह इस बार भी सीसीएमबी में दिनांक 14 सितम्बर 2015 को हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस संदर्भ में दिनांक 17 अगस्त 2015 को प्रशासन भवन के समिति कक्ष में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में स्टाफ सदस्य तथा शोध छात्रों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता के विषय इस प्रकार थेः

1. गंगा की सफाई अभियान-सफलता की संभावनाएं।
2. स्वच्छ भारत प्रयास और कर्त्तव्य।
3. संघ की राजभाषा नीति-कार्यान्वयन कितना सफल।

- दिनांक 20 अगस्त, 2015 को स्मृति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक 24 अगस्त को प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए टिप्पण और आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- दिनांक 04 सितम्बर को हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शोध छात्रों आदि ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। वाद-विवाद के विषय इस प्रकार थेः

1. मीडिया ट्रायल का औचित्य।
2. खेलों का व्यवसायीकरण।
3. न्यायपालिका का बढ़ता हस्तक्षेप।

- दिनांक 7 सितम्बर को हिंदी दिवस के अवसर पर चुटकुलों के प्रस्तुतिकरण की प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक 14 सितम्बर को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीआरडीओ के पूर्व-वैज्ञानिक एवं लेखक (विंग्स ऑफ फायर पुस्तक के लिए प्रसिद्ध एवं स्व. अब्दुल कलाम जी के चिरकालीन सहयोगी) प्रो. अरुण तिवारी जी इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने इस संदर्भ में संत-वैज्ञानिकः कलाम पर अपना विस्तृत वक्तव्य प्रस्तुत किया। सीसीएमबी के निदेशक डॉ. सीएच मोहन राव ने इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने इस केन्द्र के कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
- इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो. अरुण तिवारी जी तथा सीसीएमबी के निदेशक डॉ. सीएच मोहन राव जी ने हिंदी माह के दौरान आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कार प्रदान किए।
- हिंदी दिवस की समाप्ति भव्य और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई। प्रथम चरण में हिंदी में गाने, कविताएं और हास्य रचनाएं प्रस्तुत की गईं तथा दूसरे चरण में शोध छात्रों द्वारा हास्य नाटक **परख** का मंचन किया गया। सभी श्रोताओं ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

समारोह की झलकियां

सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली में 25वाँ हिंदी पखवाड़ा आयोजन

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली में 1 से 14 सितंबर 2015 की अवधि में 25वां हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन दिनांक 01/09/2015 (मंगलवार) को प्रातः 10:30 बजे निस्टैड्स सम्मेलन कक्ष में संस्थान के निदेशक डॉ. एस. गंगोपाध्याय जी ने किया।

डॉ. एस. गंगोपाध्याय, निदेशक उद्घाटन करते हुए

निदेशक महोदय ने इस समारोह में आमंत्रित अतिथि श्री चिराग जैन का स्वागत किया तथा 25वें हिंदी पखवाड़ा आयोजन के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए।

उसके पश्चात श्री चिराग जैन ने राजभाषा के संबंध में अपने अतीत के अनुभवों से अवगत कराया तथा उन्होंने न सिर्फ हिंदी कविताओं का पाठन किया बल्कि वर्तमान भारतीय परिप्रेक्ष्य में राजभाषा हिंदी के महत्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा भी की।

मंच पर उपस्थित बाएं से दाएं श्री वीरपाल सिंह, हिंदी अधिकारी, डा. (श्रीमती) तबस्सुम ज़मال, प्रमुख वैज्ञानिक एवं डा. (सुश्री) अनिता बाली, वरि. तकनीशियन

इस 25वें हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत निस्टैड्स के अधिकारियों एवं कर्मचारियों

श्री बालकृष्ण, प्रशासन नियंत्रक; डॉ. (श्रीमती) तबस्सुम जमाल, प्रमुख वैज्ञानिक एवं श्री वेदप्रकाश वेद (मुख्य अतिथि) दीप जलाते हुए

डॉ. योगेश सुमन, प्रधान वैज्ञानिक धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए

के लिए अनेक हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

1. हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता,
2. हिंदी कविता पाठ/गीत प्रतियोगिता,
3. संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग प्रतियागिता का आयोजन किया गया।

25वां हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह दिनांक 14/9/2015 (सोमवार) को अपराह्न 2:30 बजे निस्टैड्स सम्मेलन कक्ष' में आयोजित किया गया । इस समारोह में हास्य कवि श्री वेद प्रकाश वेद को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

श्री बाल कृष्ण, प्रशासन नियंत्रक तथा श्री वेद प्रकाश वेद ने हिंदी सामान्य ज्ञान, हिंदी कविता पाठ एवं हिंदी टंकण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए।

अंत में डॉ. योगेश सुमन, प्रधान वैज्ञानिक ने 25वें हिंदी पखवाड़ा के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए समापन समारोह में आमंत्रित मुख्य अतिथि सहित निस्टैड्स के निदेशक तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद व्यक्त किया।

सीएसआईआर-एनएएल, बेंगलुरु में हिन्दी माह का आयोजन

सीएसआईआर-एनएएल, बेंगलुरु में 14 अगस्त से 11 सितम्बर 2015 तक हिंदी माह मनाया गया तथा दिनांक 14.09.2015 को हिन्दी दिवस आयोजित किया गया। हिंदी माह का आरंभ प्रभाग/अनुभाग प्रधानों, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों एवं हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों के लिए 14.08.2015 को हिंदी कार्यशाला के साथ किया गया। कार्यशाला में श्री अशोक बिल्लुरे, संयुक्त निदेशक (राभा), इसरो मुख्यालय ने अतिथि वक्ता के रूप में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उनके दायित्वों की जानकारी दी। 17 अगस्त 2015 को प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए एक कार्यशाला की गई। इसमें डॉ. महेश, डीआरडीओ-कैर, अतिथि वक्ता थे। उन्होंने राजभाषा नीति, अधिनियम के बारे में बताते हुए कम्प्यूटर पर हिंदी यूनिकोड का प्रशिक्षण दिया।

इसी क्रम में दिनांक 25 अगस्त 2015 को भंडार एवं क्रय और वित्त एवं लेखा अनुभाग में कार्यरत सहायकों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ आशुलिपिकों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई, इसमें एनएएल के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. प्र श्री मूर्ति ने प्रतिभागियों को संबांधित किया। तदुपरांत उन्होंने कम्प्यूटर पर हिन्दी यूनिकोड का परिचय देते हुए कम्प्यूटर पर हिंदी टाइपिंग का अभ्यास कराया। इन तीनों कार्यशालाओं में प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। हर वर्ष की भांति दिनांक 18-20 अगस्त को सीएसआईआर-एनएएल के पुस्तकालय में हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

हिन्दी माह के दौरान दिनांक 24.08.2015 को जीवन मूल्य पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। श्रीमती राधिका नागराजन, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग केन्द्रीय विद्यालय, एनएएल ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में उपस्थितों ने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की।

26 अगस्त को सीएसएमएसटी प्रभाग में तथा और 27 अगस्त को सीटीएफडी में टेबुल वर्कशॉप चलाए गए। हिंदी माह के उपलक्ष्य में एनएएल कर्मचारियों के लिए कुल 11 प्रतियोगिताएं नामतः हिंदी निबंध लेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी आशुभाषण, वर्ग पहेली, गैर तकनीकी विषय पर हिंदी में लेख प्रस्तुतीकरण, तस्वीर देखें और कविता लिखें, मूक पहेली, एकल गायन, सामान्य एवं तकनीकी शब्दावली, कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता और स्वरचित हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिताएं चलाई गईं। हर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया।

14 सितंबर 2015 के पूर्वाह्न 10.30 बजे सीएसआईआर-एनएएल के एस आर वल्लूरि आडिटोरियम में हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। श्रीमती सुलेखा मोहन, उप महाप्रबंधक-राभा (सेनि), केनरा बैंक, बेंगलुरु हिंदी दिवस समारोह की मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम के आरंभ में श्री एम.एस. वैद्यनाथन, वरिष्ठ प्रशासन नियंत्रक ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उपस्थितों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय दिया और हिंदी दिवस के विशेष वक्ता श्री प्रशांत कुमार पाण्डा, मुख्य वैज्ञानिक, पदार्थ विज्ञान प्रभाग, सीएसआईआर-एनएएल का विशेष अभिनंदन किया।

तदुपरांत समारोह के मुख्य अतिथि ने अपने अभिभाषण में बताया कि हिंदी राष्ट्र की भाषा है, हिंदी जानने से देश के किसी भी कोने में रह सकते हैं। किसानों से लेकर

स्वागत भाषण देते हुए श्री एम.एस. वैद्यनाथन

श्रीमती सुलेखा मोहन, मुख्य अतिथि

अध्यक्षीय भाषण देते हुए निदेशक महोदय

पुरस्कार प्राप्त करते हुए पुरस्कार विजेता

वैज्ञानिकों तक की भाषा हिंदी है। इस अवसर पर उन्होंने कार्यालय में राजभाषा हिंदी और उसमें काम करने की आवश्यकता पर जानकारी दी।

तत्पश्चात श्री श्याम चेट्टी, निदेशक, सीएसआईआर-एनएएल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रभाग और अनुभाग प्रधानों से अपील की कि वे स्वयं राजभाषा हिंदी में लिखना आरंभ करें और अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को इस दिशा में प्रोत्साहित करते रहें। विशेष रूप से प्रभागीय प्रधानों एवं वैज्ञानिकों से अनुरोध है कि परियोजना दस्तावेज को एक साथ अंग्रेजी और हिंदी में बनाएं। प्रशासन में अधिकतर नोटिंग और पत्र लगभग एक ही प्रकार के होते हैं। उनको एक बार हिंदी में बनाकर कम्प्यूटर में रख देने से काम आराम से द्विभाषी में हो जाता है। निदेशक ने आगे कहा कि अच्छी योजना बना लेने से कोई भी काम कठिन नहीं होता। अलग से किसी आदेश की प्रतीक्षा किए बिना हिंदी में कार्य करें और प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी इस बात को गंभीरता से लेते हुए प्रभाग और अनुभाग प्रधान इस दिशा में अपने स्तर पर आवश्यक मार्गदर्शन देते रहें।

इस वर्ष के विशेष तकनीकी अभिभाषण में श्री प्रशांत कुमार पाण्डा ने स्मार्ट पदार्थ -एक समीक्षा पर बहुत ही सरल हिंदी में व्याख्यान दिया।

इसके उपरांत पुरस्कार वितरण आरंभ हुआ। प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत प्रतिदिन सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का उल्लेखनीय प्रयोग करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को, 10वीं/एसएसएलसी परीक्षा में हिंदी में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त एनएएल कर्मचारियों के बच्चों को, अंश-2015 के तकनीकी लेख प्रस्तुतकर्ताओं को तथा हिंदी माह की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। वर्ष 2014-15 में राजभाषा हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले प्रभाग के रूप में वांतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिकी एवं प्रणाली प्रभाग को उत्तम प्रभाग का शील्ड प्रदान किया गया।

एनएएल के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. प्र श्री मूर्ति ने धन्यवाद प्रस्ताव किया। श्रीमती नेलन तोपनो, सहायक हिंदी अनुभाग ने हिंदी अनुभाग ने हिंदी दिवस समारोह का संचालन किया।

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता मे 10-15 सितम्बर 2015 को हिन्दी सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह के दौरान संस्थान में राजभाषा हिन्दी में कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

10 सितंबर 2015 को हिंदी टिप्पणी, मसौदा लेखन तथा हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया एवं पुरस्कृत हुए।

11 सितंबर 2015 को हिन्दी वाद-विवाद एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में श्री रूस्तम राय सहायक निदेशक एवं श्रीमती रीता गुप्ता, वरिष्ठ प्रबंधक, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, कोलकाता उपस्थित थे। प्रतियोगिताओं में अनेकों प्रतिभागी उपस्थित थे।

14 सितंबर 2015 को वैज्ञानिक/कर्मचारियों एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में श्री प्रिंयकर पालीवाल, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, केन्द्रीय कांच एवं सिरामिक संस्थान द्वारा परिचालन किया गया। यह कार्यशाला यूनिकोड की सहायता से आयोजित की गयी। सभी वैज्ञानिक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य इस यूनिकोड प्रशिक्षण से हिंदी में कार्यालय कार्य करने पर उत्साहित हुए।

15 सिंतबर 2015 को हिंदी समारोह तथा हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रीमती चित्रा मंडल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ. मंडल ने संस्थान में राजभाषा प्रगति/गतिविधियों को जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री वेदरमण पाण्डेय, प्रो. प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं विशिष्ट अतिथि, श्री सतीश कुमार पाण्डेय, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, कोलकाता ने भाग लिया तथा उनके हिन्दी राजभाषा प्रसार के महत्वपूर्ण व्याख्यानों से सभी लाभान्वित हुए एवं राजभाषा हिन्दी के प्रति उत्साहित हुए।

अंत में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री कौशिक भट्टाचार्य ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं सभी उपस्थित कर्मचारियों को धन्यवाद व्यक्त किया। अनुसंधानकर्ताओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नाटक का मंचन किया गया एवं कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ए. नाग, हिन्दी अधिकारी ने किया। संस्थान के सभी वर्गों के कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलता से सम्पन्न हुआ।

कृपया ध्यान दें

सीएसआईआर की सभी प्रयोगशालाओं के नोडल अधिकारियों/जनसम्पर्क अधिकारियों/हिन्दी अधिकारियों/अनुवादकों से अनुरोध है कि वे अपने संस्थान से सम्बन्धित गतिविधियों यथा वैज्ञानिक अनुसंधान उपलब्धियों/पुरस्कार/सम्मानों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों आदि से सम्बन्धित समाचार/सूचना सीएसआईआर समाचार में प्रकाशन के लिए हार्ड अथवा सॉफ्ट कॉपी में हिन्दी भाषा में ही संपादक, सीएसआईआर समाचार को भेजने की कृपा करें।

संपादक
सीएसआईआर समाचार
ईमेलः deeksha@niscair.res.in

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (निस्केयर), डॉ. के.एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली-110012 के लिए दीक्षा बिष्ट द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, निस्केयर प्रेस द्वारा मुद्रित।

संपादकः दीक्षा बिष्ट; अनुवादः मीनाक्षी गौड़; कम्पोजिंगः कृष्णा

प्रोडक्शनः सुप्रिया गुप्ता; डिजाइन एवं ले आऊटः सरला दत्ता

फोनः 25848702, 25846301, 25846303, 25842990, 25846304-7/361 फैक्सः 25847062

ई-मेलः deeksha@niscair.res.in वेबसाइटः http://www.niscair.res.in पत्रिका प्राप्त न होने की स्थिति में फोन नं. 25841647 पर सम्पर्क करें

DELHIN/2013/52141